अध्याय – 8 | ललद्यद - वाख

QUIZ-01

1. "वाख" कविता में 'माझी' किसे कहा गया है?

A. नाविक को
B. वैराग्य को
C. मनुष्य को
D. ईश्वर को (D)

व्याख्या : 'माझी' का अर्थ है नाविक, परंतु कविता में यह प्रतीकात्मक रुप से ईश्वर के लिए प्रयोग हुआ है जो जीवन रुपी नाव को पार लगाता है।

2. 'वाख' कविता की कवयित्री कौन हैं?

A. सुमित्रानंदन पंत
B. चंद्रकांत देवताले
C. ललद्यद
D. महादेवी वर्मा (C)

व्याख्या : ललद्यद कश्मीरी संत कवयित्री थीं, जिनकी वाखें आध्यात्मिक और रहस्यवादी भावों से युक्त हैं।

3. ललद्यद किस भाषा की कवयित्री हैं?

A. हिन्दी
B. कश्मीरी
C. अवधी भाषा
D. ब्रज भाषा (B)

व्याख्या : ललद्यद कश्मीरी भाषा की महान संत कवयित्री थीं, जिनकी रचनाओं को 'वाख' कहा जाता है।

4. "थल-थल में बसता है शिव ही" – यह पंक्ति किस कविता की है?

A. साखियाँ B. सवैये
C. सबद (पद) D. वाख (D)

व्याख्या : यह पंक्ति वाख कविता की है, जिसमें शिव (ईश्वर) की सर्वव्यापकता को दर्शाया गया है।

5. ललद्यद की काव्य-शैली को कहा गया है –

A. साख
B. पाख
C. भाख
D. वाख (D)

व्याख्या : ललद्यद की रचनात्मक शैली को 'वाख' कहा जाता है, जो उनकी आध्यात्मिक वाणी है।

6. "रस्सी कच्चे धागे की, खींच रही मैं नाव।" यह किस कविता की पंक्ति है?

A. वाख
B. ग्राम श्री
C. सवैये
D. यमराज की दिशा (A)

व्याख्या : यह पंक्ति वाख कविता से ली गई है, जहाँ कवयित्री जीवन संघर्ष को कच्चे धागे से नाव खींचने के समान बताती हैं।

7. 'वाख' किसे कहते हैं?

A. एक पक्षी का नाम
B. वाणी को वाख कहते हैं
C. कविता को वाख कहते हैं
D. ईश्वर भक्ति को वाख कहते हैं (B)

व्याख्या : वाख' का अर्थ होता है वाणी, जो ललद्यद जैसी संत कवयित्रियों की आत्मा से निकली अनुभूतिपूर्ण रचनाएँ होती हैं।

8. किससे न मिलने के कारण कवयित्री के मन में 'हूक' उठ रही है?

A. प्रेमी से
B. पिता से
C. परमात्मा से
D. परिवार से (C)

व्याख्या : कवयित्री को परमात्मा से मिलने की लालसा है, जो उसके मन में 'हूक' (गहरी तड़प) उत्पन्न करती है।

9. कवयित्री कच्चे धागे की रस्सी किसे कहती हैं?

A. साँस को
B. प्रभु-भक्ति को
C. मृत्यु को
D. अपनी इच्छाशक्ति को (A)

व्याख्या : कवयित्री अपनी साँसों को कच्चा धागा कहती है।

10. कवयित्री हिंदू और मुसलमान दोनों को किसकी आराधना करने के लिए प्रेरित करती हैं?

A. श्रीकृष्ण की B. गणेश की
C. शिव की D. विष्णु की (C)

व्याख्या : ललद्यद दोनों समुदायों को शिव (निर्गुण ईश्वर) की आराधना की प्रेरणा देती हैं, जिससे धार्मिक एकता और आत्मज्ञान का संदेश मिलता है।

मिशन ज्ञान
जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES
Download Mission Gyan App